एच कूण्ट्ज और एच वेरिल —

संप्रेषण प्रेषक द्वारा प्राप्तकर्ता के पास सूचना का स्थानान्तरण है तथा वह सूचना प्राप्तकर्ता द्वारा समझी जा रही हो।

सम्प्रेषण की प्रकृति एवं विशेषताएं

→ सम्प्रेषण एक पारस्परिक संबंध स्थापित करने की एक उद्देश्ययुक्त प्रक्रिया है।
→ संप्रेषण में मनोवैज्ञानिक - सामाजिक पक्ष - जैसे विचार-विमर्श विचार विनिमय, संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा संवेग समावेशित होते हैं।
→ यह द्विपक्षीय प्रक्रिया है अर्थात् इसमें दो पक्ष होते हैं एक संदेश देने वाला तथा दूसरा सन्देश ग्रहण करने वाला
→ प्रभावशाली संम्प्रेषण में उत्तम शिक्षण के लिए एक बुनियादी तत्व है।
→ संम्प्रेषण प्रक्रिया में प्रत्यक्षीकरण समावेशित होता है
→ सम्प्रेषण मानवीय तथा सामाजिक वातावरण को बनाए रखने का कार्य करता है।
→ संप्रेषण में सामान्यतः व्यक्ति उन्हीं चीजों / विचारों का प्रत्यक्षीकरण करते हैं, जिनको उन्हें अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं, मूल्यों, प्रेरकों, परिस्थितियों या पृष्ठभूमि के अनुसार चाह, आकांक्षा या प्रत्याशा होती है?

BAIJU BAWRA
DoE
A.N.D. College
12.07.2020

B.Ed - II year
Course 10
Unit - 1
Topic -
Understanding class room communication

UNDERSTANDING CLASSROOM COMMUNICATION

सम्प्रेषण का अर्थ है परस्पर सूचनाओं तथा विचारों का आदान प्रदान करना शिक्षा और शिक्षण बिना सूचनाओं तथा विचारों के आदान प्रदान के संभव नहीं है।

संप्रेषण, प्रेषण करने की, विचार विनिमय करने की, अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने की और दूसरों की बात सुनने के विचारों, अभिवृत्तियों, संवेदनाओं तथा सूचनाओं एवं ज्ञान के विनिमय करने की एक प्रक्रिया है।

बर्नार्ड के अनुसार प्रेषक —अभिव्यक्त→ माध्यम —अभिग्रहण→ ग्राहक कर्ता

संप्रेषण वह साधन है जिसके द्वारा व्यक्ति एक ही संगठन में एक दूसरे के साथ जुड़े हुए होते हैं, जिससे एक साझा या सामान्य उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

एण्डरसन -

संप्रेषण एक गत्यात्मक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति चेतनतया अथवा अचेतनतया, दूसरों के संज्ञानात्मक ढाँचे को सांकेतिक रूप में उपकरणों या साधनों द्वारा प्रभावित करता है।